

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 10 जून, 2010

विषय:- वित्तीय वर्ष 2010-11 के बजट के अनुदान संख्या-12 की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-5प/3/43/2010-11/13836 दिनांक 24.05.2010 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि हिमालयन इन्स्टीट्यूट जौली ग्रान्ट में पी0एम0एच0एस0 संवर्ग के एम0डी0/एम0एस0/डिप्लोमा पाठ्यक्रम पास आउट/अध्ययनरत अभ्यर्थियों के पाठ्यक्रम में किये गये व्यय के भुगतान हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 के आयोजनागत पक्ष में रू० 20,00,000.00 (रू० बीस लाख मात्र) की समस्त धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्ता के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये। उक्त धनराशि केवल लम्बित देनदारियों/सृजित हो चुकी देनदारियों के भुगतान पर यथा आवश्यकता आहरित/व्यय की जायेगी।

2. धनराशि जिस मद के लिए स्वीकृत की जा रही है। उसी मद में व्यय की जाए। एक मद से दूसरी मद में धनराशि का स्थानान्तरण शासन की अनुमति के बिना कदापि न किया जाये। उक्त धनराशि शासनादेश संख्या-611/XXVIII(1)/2009-13/2004TC-I दिनांक 10.08.2009 में उल्लिखित दिशा निर्देशों के अनुरूप की जाये।
3. धनराशि का आहरण/व्यय योजनान्तर्गत निर्धारित दिशा-निर्देशों/मानकों के आलोक में यथा आवश्यकता नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
4. जो बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उनमें स्पष्ट रूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाये। बजट नियंत्रक अधिकारी बी0एम0-17 पर आवंटन सम्बन्धी विवरण तथा आवंटन आदेश हेतु निर्धारित प्रारूप पर आहरण वितरण अधिकारियों को बजट आवंटन तथा जिस अधिकारी का नमूनाहस्ताक्षर समस्त कोषाधिकारियों में परिचालित हो, के हस्ताक्षर से अनुदान के अधीन आयोजनागत एवं आयोजनेत्तर की धनराशियों पूर्व निर्गत शासनादेश के क्रम में जारी किया जाये अन्यथा कोषागार द्वारा भुगतान नहीं किया जायेगा, जिसके लिए सम्बन्धित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।
5. व्यय करने से पूर्व यह सुनिश्चित कराया जायेगा कि योजनान्तर्गत पूर्व स्वीकृत यथाप्रभावी दिशा निर्देशों एवं मानकों की कड़ाई से अनुपालन कर ली गई हो।
6. यह प्रत्येक स्थिति में सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त प्रस्ताव के सम्बन्ध में पूर्व में कोई धनराशि अवमुक्त नहीं की गयी हो और न ही भुगतान हुआ हो।
7. भुगतान प्रत्येक स्थिति में प्रवेशित अभ्यार्थी/संस्थान को अनुमन्य धनराशि के अनुरूप नियमानुसार किया जाय।
8. उक्त के सापेक्ष होने वाला व्यय अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2210- चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-आयोजनागत-05-चिकित्सा,

शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति-03-शिक्षा-0302-स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु सहायता के अन्तर्गत मानक मद- 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

9. यह आदेश वित्त विभाग के अर्द्ध शासकीय संख्या-150(P) /XXVIII(3)/2010 दिनांक 07 जून, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

सं०- /XXVIII(1)/2010/19/2005 TC-III तद दिनांक
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
- 2-आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3-जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
- 4-निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 5-वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड।
- 6-वरिष्ठ/मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 7-बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
- 8-वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
- 9-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(मायावती ठकुरियाल)
उप सचिव।